

Dictation 30.

A damage-control exercise – guess where!

प्रताप - अनूप, अभी तुम अपने आप से बातें कर रहे थे। कहो, क्या समस्या है। सिग्रेट लो।

अनूप - मैंने पीनी छोड़ दी। सुनिए, पीटर नाराज़ हो गया है। मेरी तो नौकरी गई।

प्रताप - पीटर के जैसा शास्त्र आदमी बिना किसी कारण के गुस्से नहीं हो सकता। हुआ क्या?

अनूप - असल में, आज हम हाथी पर सवार होकर घने जंगल में गए थे। पीटर चाहता था कि मैं उनके साथ जंगल के रूप में चलूँ। मेरी तबीयत खराब-सी हो रही थी, लेकिन ये लोग हमारे मेहमान हैं। तो मैंने स्नान किया, और निकल पड़ा।

प्रताप - अभी कैसी हालत है तुम्हारी?

अनूप - जैसा था, वैसा ही हूँ। तो, जैसा कि मैंने कहा, हम हाथी पर बैठने पहुँचे। लेकिन पता नहीं क्यों अप्पू हमारे दोस्तों को देकर नाराज़ हो गया। बत्तीसी दिनाकर ज़ोर से चिल्लाने लगा।

प्रताप - अनूप, हाथी के बत्तीस दाँत नहीं होते।

अनूप - अब जो भी है... आप समझें कि मैं क्या कह रहा हूँ?

प्रताप - सच कहूँ तो मेरी समझ में कुछ नहीं आया। तुमने कहा कि अप्पू अचानक गुस्से हो गया।

अनूप - आप पूरी बात तो सुनिए। अप्पू को तो उसके मालिक ने सञ्चाल लिया, लेकिन अप्पू के शोर मचाने से पीटर जैसे दब-सा गया। मिरियम ने हँसकर कहा कि शायद ये हाथी विदेशियों से दोस्ती नहीं करना चाहते। उसके बाद फिर सारे शेर न जाने कहाँ जाकर छिप गए। मैं क्या करता? हमारे मेहमान आपस में फुसफुसाने लगे। जैसे मैंने उन्हें व्यक्तिगत रूप से धोखा दिया हो!

प्रताप - चार दिन जंगल में रहकर भी शेर नहीं दिनाकर, इसीलिए पीटर निराश हो गया है। चलो, मिरियम और पीटर ने हमें बीयर पीने के लिए बुलाया है। वे ज़रा झंप-से गए हैं, समझे न। स्वयं रेणु साहब ने तुम्हें जाने के लिए कहा है। अब तुमने बीयर तो नहीं छोड़ दी है?

Pratap: Anup, you were just talking to yourself. Tell me, what is the problem? Have a cigarette.

Anup: I have given up smoking. Listen, Peter has become angry. I will lose my job.

Pratap: A calm man like Peter cannot get angry without a reason. What happened?

Anup: Actually, today we went into dense jungle on elephant-back ('riding an elephant'). Peter wanted me ('wanted me to go') as a guide. I wasn't feeling very well, but these people are our guests. So I bathed, and set out.

Pratap: How are you now? ('What is your condition like now?')

Anup: I am the way I was [feeling then]. So, like I said, we arrived for our ride ('we reached to sit on the elephant'). But I don't know why Appu lost his temper upon seeing our friends. He showed all thirty two teeth and began to [trumpet].

Pratap: Anup, an elephant does not have thirty two teeth.

Anup: However that is now... you do understand what I am saying?

Pratap: To tell the truth, I have understood nothing. You said that Appu suddenly became angry.

Anup: Listen to the whole story. Appu's handler managed to [calm him down], but Peter became sort of depressed because Appu made such a noise ('because of Appu's making of a noise'). Miriam laughed and said that perhaps these elephants do not wish to make friends with foreigners. Then after that who knows where all the tigers hid themselves. What could I do? Our guests began to whisper among themselves. As though I had personally cheated them!

Pratap: Peter is disappointed because he hasn't seen a tiger ('a tiger hasn't been seen') after four days in the jungle. Come, Miriam and Peter have invited us to drink beer [with them]. They have become a bit embarrassed, you understand. Ranger sahib himself has asked you to go. Now, you haven't given up beer, have you?